मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में रिठाला विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी कुलवंत राणा तथा मोतीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हरीश खुराना के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया और जनता से संपर्क किया।

'ईआरसीपी और यमुना जल योजना पर चुप्पी, राजस्थान की जनता के साथ धोखा है'

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने केन्द्रीय बजट को राजस्थान के लिए निराशाजनक बताया

जयपुर, 1 फरवरी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्र सरकार द्वारा आज संसद में प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए, इसे राजनीति से प्रेरित, किसानों की अनदेखी करने वाला, अदूरदर्शी बजट बताया है।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट में यह नहीं बताया कि पिछले वर्षो के बजट्स में किसानों की आय दोगुनी करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, रोजगार सृजन जैसी घोषणाओं पर क्या प्रगति हुई। उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए सहयोगी दलों पर निरंतर निर्भरता इस बजट में साफ देखने को मिलती है। केन्द्रीय बजट में इस प्रकार पूर्णत: राजनीतिक प्रभाव परिलक्षित होना चिंतनीय है।

- **पायलट ने कहा, केन्द्रीय बजट में प्रदेश का जिक्र तक नहीं किया गया है। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार, केन्द्र सरकार से प्रदेश के लिए नई योजना लाने में विफल रही है।**

पायलट ने कहा कि बजट में किसानों की भी स्पष्ट रूप से अनदेखी की गई है। देश के किसान एम.एस.पी. पर कानून बनाने की मांग को लेकर पिछले लम्बे समय से आन्दोलनरत हैं। बजट में किसानों की इस मांग को पूर्णत: अनदेखा किया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड की न्यूनतम सीमा बढ़ाने से किसानों को कोई विशेष लाभ नहीं होगा, यह लघु अवधि का ऋण मात्र है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए मनरेगा में पिछले वर्ष के बजट 86 हजार करोड़ रूपये में कोई वृद्धि नहीं किया जाना निराशाजनक है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के संदर्भ में भी बजट पूर्णत: निराशाजनक रहा है। ईआरसीपी और यमुना जल योजना को लेकर कोई आश्वासन या घोषणा बजट में नहीं किया जाना प्रदेश की जनता के साथ छलावा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रेल यातायात को और मजबूत करने के लिए नई रेल लाइन स्वीकृत करने तथा पिछली स्वीकृत रेल परियोजनाओं पर काम शुरू करने के संबंध में कोई उल्लेख नहीं किया जाना राजस्थान की जनता के प्रति केन्द्र सरकार की अनदेखी को दर्शाता है। केन्द्रीय बजट में प्रदेश का जिक्र तक नहीं होना प्रदेश सरकार की विफलता को भी इंगित करता है कि राज्य सरकार राजस्थान के लिए केन्द्र से कोई नई योजना लाने में असफल रही।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने देश को कर्ज में डुबोकर आर्थिक ढांचे को कमजोर करने का काम किया है। बजट में सरकार द्वारा अगले वर्ष 12.76 लाख करोड़ रूपये से कर्ज के ब्याज का भुगतान करना बताया गया है, जबकि इसके विपरीत पूंजीगत व्यय 11.24 लाख करोड़ रूपये बताया गया है जो कि सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को दर्शाता है।

'बसंत के मौसम में कमल खिलेगा दिल्ली में'

राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में भाजपा प्रत्याशी कुलवंत राणा और हरीश खुराना के लिए सभा की

दिल्ली/जयपुर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दिल्ली देश का दिल है, लेकिन विकास के मामले में यहां के हालात "दिए तले अंधेरा" जैसे हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने अपने 10 साल के कुशासन में भारी भ्रष्टाचार कर दिल्ली की जनता को ठगने और लूटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली की जनता उनके बहकावे में नहीं आएगी और इस बसंत में दिल्ली में विकास का कमल खिलायेगी।

शर्मा ने शनिवार को रिठाला विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी कुलवंत राणा तथा मोतीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हरीश खुराना के समर्थन में आयोजित विभिन्न जनसभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने रिठाला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में कहा कि ईमानदारी का दिखावा करने वाले आम आदमी पार्टी के लोग सत्ता में आते ही भ्रष्टाचार में आकंठ डूब गए। उन्होंने जल बोर्ड में 28 हजार करोड़ रुपए का घोटाला, 5 हजार 400 करोड़ रुपए का राशन घोटाला, 4 हजार 500 करोड़ रुपए का डीटीसी बस घोटाला, 1 हजार 300 करोड़ रुपए का क्लासरूम घोटाला, 500 करोड़ रुपए का बसों के पैनिक बटन का घोटाला कर दिल्ली की जनता की खून-पसीने की कमाई को लूटा। पैरों में चप्पल पहनने तथा मारूति में चलकर सादगी का ढोंग करने वाले केजरीवाल ने 52 करोड़ रुपए से अपने लिए शीशमहल बनाया।

- **मुख्यमंत्री ने मोती नगर में हरीश खुराना के समर्थन में हुई सभा में कहा, हम बाज़ार से मटकी भी लेते हैं तो ठोक बजाकर लेते हैं तो 5 साल के लिए सरकार चुनने में भी विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।**
- **रिठाला सीट के प्रत्याशी कुलवंत राणा के लिए आयोजित सभा में आप पर तीखे आरोप लगाए और कहा, ईमानदारी का दिखावा करने वाले सत्ता में आते ही भ्रष्टाचार में डूब गए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दिल्ली के पड़ोसी राज्यों-राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकारें समर्पित भाव से जनहित के कार्य कर रही है। राजस्थान में हमारी सरकार बने हुए एक वर्ष से कुछ ही अधिक समय हुआ है, मगर हमारे संकल्प पत्र के 50 से 55 फीसदी तक वादे पूरे हो चुके हैं।

मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित दो अलग-अलग जनसभाओं में शर्मा ने कहा कि देश और दुनिया में रह रहे हमारे मारवाड़ी भाई-बहनों ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से राजस्थान का नाम रोशन किया है। ये जहां भी जाते हैं, अपनी मृदु वाणी और व्यवहार से एक विशेष पहचान बनाते हैं और वहां की सामाजिक आर्थिक संस्कृति में घुल-मिल जाते हैं। शर्मा ने कहा कि हमारे मारवाड़ी भाई-बहनों में राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। अब दिल्ली का मारवाड़ी समाज राष्ट्रवादी भारतीय जनता पार्टी का साथ देकर यहां से भ्रष्ट और झूठी आपदा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए हमारे साथ आ खड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में केजरीवाल एंड पार्टी ने दिल्ली के लोगों से केवल थोथे और झूठे वादे किए और कांग्रेस ने भी 70 साल तक केवल घोषणाएं ही कीं और धरातल पर काम नहीं किया, मगर इस मामले में अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस से भी ज्यादा झूठे निकले। बड़े आत्मविश्वास के साथ झूठ बोलते हुए उन्हें झिझक महसूस नहीं होती।

शर्मा ने कहा कि हम बाजार से मटकी खरीदकर लाते हैं तो उसे भी ठोक-बजाकर परखते हैं। 5 साल के लिए सरकार चुनते समय भी हमें अपने विवेक के साथ सोच समझकर योग्य जनप्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने लोगों से आ ान किया कि 5 फरवरी को कमल के निशान पर बटन दबाकर दिल्ली को एक नया भविष्य दें।

महाराष्ट्र में जीबीएस संक्रमण से अब तक 5 की मौत

मुंबई, 1 फरवरी। गुलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) महाराष्ट्र में तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह से महाराष्ट्र में मौतों का आंकड़ा 5 पहुंच गया है। 149 संदिग्ध मरीजों में 124 मरीजों में जीबीएस वायरस की ही पुष्टि हुई है। 28 मरीज फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं। आज भी 3 नए मरीज मिले हैं। ज्यादातर मामले पुणे और पिंपरी चिंचवड़ के पास के हैं।

ऐसा नहीं है कि जीबीएस वायरस के मामले केवल महाराष्ट्र में ही बढ़ रहे हैं, बल्कि ये अन्य राज्यों में भी सामने आ रहे हैं। हाल ही में असम में भी इस वायरस का मामला सामने आया था और एक प्राइवेट हॉस्पिटल में संदिग्ध (जीबीएस) के कारण 17 वर्षीय एक लड़की की मौत की बात सामने आई थी। यह इस मौसम में असम में इस तरह का पहला मामला है। डॉक्टरों ने शनिवार को लड़की की मौत के बारे में बताया था, लेकिन अस्पताल और राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी।

डॉक्टर ने बताया था कि लड़की की हालत बिगड़ गई थी और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था।

- **149 संदिग्ध मरीजों में से 124 में जीबीएस संक्रमण की पुष्टि हुई।**

आप छोड़ने वाले आठ विधायक भाजपा में शामिल

नई दिल्ली,1 फरवरी। आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले 8 विधायकों ने शनिवार का भाजपा जॉइन कर ली। एक दिन पहले ही इन विधायकों ने चुनाव में टिकट नहीं मिलने और भ्रष्टाचार को अपने इस्तीफे की वजह बताया था। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 5 फरवरी को वोटिंग है। इसके 4 दिन पहले इन नेताओं का भाजपा में शामिल होना आप के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। पार्टी को मिलने वाले वोट पर असर पड़ सकता है।

इस मौके पर बीजेपी नेता बैजयंत पांडा ने कहा, आज ऐतिहासिक दिन है और चुनाव के तीन दिन पहले इतनी बड़ी संख्या में विधायक, पार्षद और पदाधिकारीगण आपदा से मुक्ति पा गए हैं और अब दिल्ली की आपदा से मुक्ति पाने की बारी है। सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और ट्रांसपेरेंट पार्टी में सबका स्वागत है। हम दुनिया की सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था हो गए हैं और जल्द ही भारत तीसरा सबसे बड़ा देश बनने जा रहा है। दुनिया आज हमारी प्रशंसा कर रही है। इस तरह से देश में प्रगति हो रही है, सबका विकास हो रहा है और युवा, महिला और समाज का हर वर्ग आगे बढ़ रहा है।

- **भाजपा नेता बैजयंत पांडा ने कहा, बड़ी संख्या में आप के नेता व कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं।**

पांडा ने कहा, दिल्ली, देश की जैसी राजधानी होना चाहिए, हम उस तरह की दिल्ली बनाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए दिल्ली में सत्ता का परिवर्तन जरूरी है और भाजपा विश्वास करती है कि देश सबसे ऊपर होता है, फिर पार्टी और व्यक्ति होता है।

उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ चुनाव के वक्त ही होता है। आज समय आ चुका है कि दिल्ली की प्रगति के लिए मोदी जी की जो गारंटी है, उसे दिल्ली में लाया जाए। आपदा झूठ पर झूठ फैला रही है, साफ पानी, साफ यमुना का वायदा था लेकिन क्या हुआ। घोटाले पर घोटाला हुआ है। जलबोर्ड, दिल्ली डीटीसी और राशनकार्ड में घोटाला हुआ है। जब कोविड में दिल्ली फंसा हुआ था, तब उस व्यक्ति ने शीशमहल बनाया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने किया संगम स्नान

महाकुम्भनगर, 1 फरवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को त्रिवेणी संगम में स्नान किया और इस घटना को जीवन धन्य करने वाला अवसर बताया।

धनखड़ तीर्थराज प्रयागराज पत्नी व परिवार समेत हेलिकॉप्टर से पहुंचे जहां हेलिपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। यहां से वह अरैल संगम घाट की ओर बढ़े जहां क्रूज पर सवार होकर उन्होंने नौकायन का आनंद लिया और त्रिवेणी संगम में चिह्नित स्थान पर स्नान किया। इस दौरान मंत्रोच्चार के बीच धनखड़ ने सिर पर शिवलिंग रखकर डुबकी लगाई।

- **उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सपरिवार प्रयागराज पहुँचे। उन्होंने शहर के प्रतिष्ठित मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की।**

उपराष्ट्रपति ने इस अवसर को जीवन धन्य करने वाला क्षण बताया। स्नान के बाद उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की जय और नम: पार्वति पतये हर-हर महादेव का जयकारा उद्घोषित किया।

त्रिवेणी संगम पर स्नान के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पत्नी व परिवार समेत सरस्वती कूप, अक्षय वट व बड़े हनुमान मंदिर में बाकायदा विधिवत पूजन-अर्चन किया।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत को बताया कि पीड़िता के पिता ने 19 दिसंबर, 2019 को आमेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि उसकी 17 साल की बेटी के साथ करीब डेढ़ माह से अभियुक्त डरा-धमका कर दुष्कर्म कर रहा है। अभियुक्त ने 28 नवंबर को अपने दोस्त के कमरे में ले जाकर पीड़िता से दुष्कर्म किया था। आज भी उसने पीड़िता से अश्लीलता की है। अभियुक्त उसे कॉलेज आते-जाते समय भी परेशान करता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने बताया कि अभियुक्त ने जन्मदिन की पार्टी का बहाना बनाकर 28 नवंबर को उससे संबंध बनाए थे। वहीं, 19 दिसंबर को भी वह उसने इसी बहाने से दोस्त के कमरे पर ले जाकर दुष्कर्म किया था। इस दौरान उसके पिता का फोन आया तो उसने अपने आप को बस में होना बताया।

इस पर उसके पिता कॉलेज आ गए और दोनों को कॉलेज बुलाया। इस पर उसने कॉलेज पहुंच कर पिता को घटना की जानकारी दी।

दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि वह पीड़िता के साथ ही पढ़ता है और दोनों के बीच दोस्ती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है।

'बजट से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोजगार, एमएसएमई, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे के साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, कौशल प्रशिक्षण जैसे नवाचारों के लिए भी विभिन्न प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में किसानों के सशक्तीकरण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 से बढ़ाकर 5 लाख रु., बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की मंजूरी, पीएम धन धान्य कृषि योजना, नया आयकर कानून, छोटे शहरों को 88 एयरपोर्टों से जोड़ना, आईआईटी संस्थानों में सीटों की बढ़ोतरी, मैडीकल टूरिज़्म को बढ़ावा देना सहित विभिन्न प्रावधान किए गए हैं।

'हमारे विधायक पर हमला किया, वो व्हीलचेयर पर सभा में आए'

अरविंद केजरीवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 1 फरवरी। राजधानी दिल्ली में चुनाव को लेकर प्रचार अभियान जोर-शोर से जारी है। इस बीच आम आदमी पार्टी से लेकर बीजेपी और अन्य दल चुनाव प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। इस बीच, शनिवार को दिल्ली की रिठाला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पर हमले का मामला सामने आया है। आम आदमी पार्टी का दावा है कि उनके ऊपर चुनाव प्रचार के दौरान हमला किया गया। रिठाला से आप उम्मीदवार मोहिंदर गोयल पर हमला हुआ, जिसके बाद वे बेहोश हो गए। फिलहाल उन्हें अंबेडकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

- **केजरीवाल ने कहा कि रिठाला के आप प्रत्याशी मोहिंदर गोयल पर चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के लोगों ने हमला किया था।**

इस पूरे मामले पर आम आदमी पार्टी का आरोप है कि रोहिणी सेक्टर 11 में मोहिंदर गोयल एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उसी वक्त उन पर हमला हुआ। मोहिंदर गोयल की टीम का दावा है कि बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने उनपर हमला किया है। मोहिंदर गोयल की टीम का कहना है कि सभा के दौरान अचानक कुछ लोग आ गए और कहने लगे तुम लोगों ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया। ये हिन्दू राष्ट्र है। भाग जाओ यहां से। और फिर मोहिंदर गोयल से मारपीट की।

वहीं, आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी इस घटना पर बयान दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा है, "दिल्ली में बीजेपी बुरी तरह चुनाव हार रही है- बौखलाहट में ये लोग अब हिंसा पर उतर आए हैं। रिठाला से हमारे विधायक मोहिन्दर गोयल पर हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं।"

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा है, "मैं अभी रिठाला विधान सभा में सभा करके आ रहा हूं। वहां से हमारे मौजूदा एमएलए मोहिंदर गोयल जी चुनाव लड़ रहे हैं।

आज बीजेपी वालों ने उनपर इतना घातक हमला किया कि उनकी हालत देखी नहीं जा रही थी। वे व्हील चेयर पर स्टेज पर आए। क्या हम दिल्ली में ऐसी गुंडागर्दी चाहते हैं? आम आदमी पार्टी शरीफों की पार्टी है। बीजेपी गुंडों की पार्टी है। दिल्ली को गुंडों के हवाले मत कर देना।"

छत्तीसगढ़: मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे

बीजापुर, 01 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह से जारी मुठभेड़ में जवानों ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए आठ नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए सभी नक्सलियों के शव बरमाद कर लिए गए हैं। तोड़का के जंगल में यह मुठभेड़ हुई। माओवादियों के मौजूदगी की सूचना पर, डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा 202 और सीआरपीएफ 222 बटालियन की टीम गंगालूर के तोड़का व कोरचोली के जंगल रवाना हुई थी। शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें आठ नक्सली मारे गए हैं। ये संख्या और बढ़ सकती है। सुबह करीब 8:30 बजे से दोनों तरफ से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाबलों की ओर से यह ऑपरेशन लगातार चलाया जा रहा था, जिसमें जवानों ने नक्सलियों को मुठभेड़ में कड़ा जवाब दिया। इलाके में गोलीबारी जारी है। इस सफलता को सुरक्षाबलों ने अपनी महत्वपूर्ण जीत के रूप में देखा है, जो नक्सल गतिविधियों पर काबू पाने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है।

रेल बजट ने रेल्वे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ी मात्रा में बजट आवंटन होता रहा है, के लिए अच्छा दौर समाप्त हो चुका प्रतीत हो रहा है। रेलवे के एक सेवानिवृत्त अधिकारी शुभ्रांशु ने कहा, "भारतीय रेलवे को सीतारमण यह संदेश देती दिखाई दे रही हैं कि सार्वजनिक परिवहन को वित्तीय निपुणता तथा संचालन में बने रहने के लिये अपनी कमर कसनी होगी।"

बजट के कागजात में एक से अधिक असामान्य बातें सामने आई हैं। उदाहरण के लिये, रेलवे का दावा तो 31,000 किलोमीटर ट्रैक के विद्युतीकरण का है, लेकिन डीजल ट्रेन चलाने के खर्च में केवल मामूली सी कमी की गई है। रेल-सुरक्षा बहुत बड़ी चिंता का मुद्दा रहा है लेकिन ट्रेन दुर्घटना निरोधी सिस्टम "कवच" की स्थापना के लिये उतना ही बजट आवंटित किया गया है, जितना पिछले वर्ष था। सरकार के "मेक इन इंडिया" अभियान की झलक बजट प्रस्तावों में कहीं दिखाई नहीं दे रही है। मशीनरी तथा प्लांट-प्रोक्योरमैंट के लिये गत वर्ष की अपेक्षा कम बजट आवंटित किया गया है, क्योंकि वर्कशाप्स तथा शेड्स के लिये पहले से कम निवेश किया गया है। एक अधिकारी ने कहा, "(रेलवे को) अब बजट का सहयोग कम होता जा रहा है तथा अब रेलवे को आंतरिक संसाधन सृजन पर ध्यान देने की जरूरत होगी।"

नैशनल फैडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मैन (एनएफआई-आर) के एम. राघवैया ने कहा, "सरकारी फैक्ट्रियाँ स्थापित करने के लिये किसी प्रस्ताव की घोषणा नहीं की गई है। रेल-सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि सरकार नये पदों के सृजन पर लगी रोक को न हटाने का निर्णय ले चुकी है। सरकार रेलवे के निजीकरण की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है।"

85 प्रतिशत आयकर दाता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के कलपुर्जों, विशेष प्रकार के चमड़ों और कुछ अन्य घटकों पर आयात शुल्क में कम करने का ऐलान किया है। उन्होंने लघु एवं मझौले क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उनकी परिभाषा बदलते हुये निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ा दी है। वित्त मंत्री ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर शुद्ध रूप से कमी करने के बावजूद राजकोषीय मजबूती के लक्ष्य की राह बनायी रखी और वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यय 50.65 लाख करोड़ रुपये करने के साथ ही राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.4 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है। बेमौसम बरसात और चुनावी वर्ष के कारण चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय के संशोधित अनुमान में गिरावट के बावजूद अगले वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय को 11.21 लाख करोड़ रुपये रखने का प्रावधान है जो संशोधित अनुमान से 10.08 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष 11.11 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय का अनुमान रखा गया था लेकिन यह 10.18 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

वित्त मंत्री ने रक्षा बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है और इसके लिए 6.81 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इस बार बजट में 100 जिलों में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना , निर्यात को बढ़ ाने के लिए भारत ट्रेडनेट डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रावधान, नये उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नया फंड्स ऑफ फंड , कपास एवं सूजी वस्त्र उद्योग के लिए प्रोत्साहन के लिए नये उपाय, तीन साल में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर बनाने का ऐलान किया गया है जिसमें से 200 सेंटर अगले वित्त वर्ष में बनाये जायेंगे।

वित्त मंत्री ने विकसित भारत के सिद्धांतों को रेखांकित किया, जिसमें शून्य गरीबी, सौ प्रतिशत अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा, उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, सार्थक रोजगार के साथ सौ प्रतिशत कुशल श्रम, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं और किसानों पर जोर दिया गया है।

सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-2026 विकास को गति देने, समावेशी विकास को सुरक्षित करने, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ ावा देने, घरेलू भावनाओं को ऊपर उठाने और भारत के बढ़ ते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ ाने के लिए सरकार के प्रयासों को जारी रखने का वादा करता है। बजट में गरीब, युवा, किसान और महिला पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास उपायों का प्रस्ताव है। बजट का उद्देश्य भारत की विकास क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ ाने के लिए कराधान, बिजली क्षेत्र, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र और नियामक सुधारों में परिवर्तनकारी सुधार शुरू करना है। बजट में कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को विकसित भारत की यात्रा में इंजन बताया गया है।

'बंदूक की गोली के घावों के लिए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गति तथा अर्थव्यवस्था को पीड़ित कर रही जटिल जीएसटी के उपचार से रिक्त बताया।

कांग्रेस ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह बिहार को "बोनांज़ा" देती प्रतीत हो रही है, जहाँ एनडीए के सहयोगी नीतीश कुमार का शासन है, लेकिन इसी गठबंधन के एक अन्य स्तम्भ आंध्र प्रदेश की "निर्मम" उपेक्षा कर रही है। जब केन्द्रीय वित्त मंत्री "मधुबनी" साड़ी पहने हुये संसद में 2025-26 का केन्द्रीय बजट पेश करने पहुँचीं, तभी उनका यह संदेश स्पष्ट हो गया था कि बिहार उनकी घोषणाओं में मुख्य स्थान ले सकता है।

बिहार, जहाँ इस साल अक्टूबर में किसी समय विधानसभा चुनाव होने हैं, को वित्त मंत्री से अपार तोहफे मिले हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बजट में बिहार की ओर झुकाव की आलोचना की तथा "एक्स" पर कहा, "यह स्वाभाविक ही था, क्योंकि इस साल के उत्तरार्द्ध में वहाँ चुनाव होने है। लेकिन एनडीए के एक अन्य स्तंभ, आंध्र प्रदेश की इतनी निर्दयतापूर्वक उपेक्षा क्यों की गई है?"

तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने बजट को पक्षपातपूर्ण बताया तथा कहा, "(बजट में) आम आदमी के लिये कुछ नहीं है। बिहार के चुनाव नज़दीक होने के कारण बजट साफ तौर पर बिहार के लिये बनाया गया है। बंगाल तो 10 साल से उपेक्षित ही है।"

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मध्यम वर्ग को दी गई टैक्स राहत को तो स्वीकार किया, लेकिन इसके व्यापक असर पर सवाल खड़े किये, उन्होंने कहा, "टैक्स-कटौतियों की सराहना है, लेकिन (बजट में) बेरोजगारों के लिये क्या है? (इसमें) बेरोजगारी का तो उल्लेख तक नहीं है।"

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने निराशा व्यक्त करते हुये कहा, "निर्मला सीतारमण जी, भारतवासियों पर कुछ दया कीजिये। इस सरकार को अखबरों की सुर्खिया बनाने से लगाव है, लेकिन वास्तविकता बिल्कुल भिन्न है। जीएसटी- सुधारों का क्या हुआ?"

आप नेता अनुराग ढन्डा ने कहा, "मध्यम वर्ग निराश है। अरविंद केजरीवाल ने सात माँगे की थीं, जिनमें शिक्षा और स्वास्थ्य के लिये बढ़े हुये बजट की माँग शामिल थी। (लेकिन) किसी पर विचार नहीं किया गया।"

शिरोमणि अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर बादल ने बजट पर प्रहार करते हुये, इसे "किसान -विरोधी" बताया। उन्होंने कहा, "इसमें बिहार छाया हुआ है। पंजाब का जिक्र ही नहीं है। एमएसपी के लिये आंदोलन कर रहे किसानों की उपेक्षा की गई है। हमें केवल मखाना बोर्ड मिला है।"

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इसे "पिछले 10 वर्ष का सबसे कमजोर बजट" बताया, तथा महाकुम्भ में हुई भगदड़ पर संसदीय चर्चा की माँग की।

आप सांसद संजय सिंह ने छोटे व्यापारियों के लिये टैक्स-राहत की कमी की आलोचना की तथा कहा, "अगर सरकार उद्योगपतियों से माफ किये हुये ऋण वसूल कर ले तो जीएसटी और आयकर की दरें आधी हो सकती हैं, लेकिन इसकी अनदेखी कर दी गई।"

कांग्रेस सांसद किरण कुमार चामला ने बजट के पीछे राजनैतिक उद्देश्य होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "सारा ध्यान बिहार की ओर रहा है। तेलंगाना भी फोकस का हकदार है। इस बजट में साफ तौर पर राजनैतिक एजेंडा निहित है।"

समाजवादी सांसद डिम्पल यादव ने कहा, "बजट में कुछ भी नया नहीं है। हम महाकुम्भ दुखान्तिका का विवरण और सरकार की जवाबदेही की माँग करते हैं।"

द्रमुक सांसद दयानिधि मारन को बजट उलझाने वाला लगा। उन्होंने कहा, "यह चुनावों से पहले दिल्ली के मतदाताओं के प्रति स्नेह जताने की दृष्टि से तैयार किया गया है। वित्त मंत्री ने 12 लाख रु. तक के लिये टैक्स -छूटों की घोषणा कर दी, लेकिन 8 -12 लाख आय के लिये 10 प्रतिशत स्लैब की भी घोषणा कर दी। असली बुराई तो विस्तार में जाने पर मालूम पड़ेगी।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908